भारतीय गांव पर पाकिस्तानियों द्वारा आक्रमण

3789. **श्री बड़े :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री सोनावने :
श्री यु० द० सिंह :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 22 जुलाई, 1966 के 'वीर अर्जुन' में प्रकाशित यह समाचार सच है कि 25 पाकिस्तानियों ने पश्चिम बंगाल में नदिया जिले के छपरा थाना क्षेत्र में भारतीय गांव पर आक्रमण किया और भारी मात्रा में सामान लूट लिया और उनके द्वारा फैंके गये एक बम के परिणामस्वरूप अनेक व्यक्ति घायल हुए ;

(ख) यदि हां, तो उसके परिणामस्वरूप जान-माल की कितनी क्षति हुई; और

(ग) इस मामले में क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (ग) 19/20 जुलाई, 1966 को रात के एक बजे लगभग 25–30 पाकिस्तानी जिला नदिया के थाना छपरा में रंगयारपोटा में (न कि 'गयेश्पुरा जैसा कि 'वीर अर्जुन' में प्रकाशित हुआ) अवैध रूप से घुस आये और उक्त गांव में एक निवासी श्री धीरेन्द्र नाथ विश्वास के मकान में डकैती डाली । डाकुओं ने बम फैंके और तीन आदमियों को चोटें आईं जिस में से एक बाद में मर गया । डाकू 15 सौ रुपये नकदी तथा जेवर आदि लेकर पाकिस्तान भागने में सफल हो गये क्योंकि सीमा का अन्तर वहां से केवल कुछ सौ गज का है ।

छपरा थाने में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 396 के अधीन 20–7–66 को एक मामला दर्ज कर लिया गया है जिसकी संख्या 9 है ।

पूर्वी पाकिस्तान के स्थानीय अधिकारियों से शिकायत की गई है और उन से यह कहा गया है कि वह मामले की जांच करके अपराधियों को सख्त सजा दें ।

विद्रोही मिजो लोग

3790. **श्री बड़े :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री सोनावने :
श्री यु० द० सिंह :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विद्रोही मिजो लोगों ने बौद्ध आदिवासियों को लालच देकर अपनी तरफ मिला लिया है ;

(ख) विद्रोही मिजो लोगों तथा बौद्ध आदिवासियों ने 14 जुलाई, 1966 को वगाईसिरी गांव में सुरक्षा कर्मचारियों पर गोलियां चलाईं और दो अन्य गांवों पर भी आक्रमण किया तथा एक व्यक्ति का अपहरण किया ;

(ग) यदि हां, तो अपहरण किये गये व्यक्ति को मुक्त कराने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ; और

(घ) इन घटनाओं को रोकने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) जी नहीं । किन्तु पाकिस्तान के कुछ चकमा (बौद्धों) ने मिजो विद्रोहियों के साथ मिलकर डकैतियां डालीं थीं ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(घ) सुरक्षा सैनिक इलाके में गस्त लगा रहे हैं ।